



TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें



2024



teachersofbihar@gmail.com



<https://twitter.com/teachersofbihar>



<https://www.youtube.com/c/teachersofbihar>



<https://www.facebook.com/teachersofbihar>



<https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar>



www.teachersofbihar.org

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्ज्वल

04 जून

1. आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस— संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 अगस्त, 1982 ई. को प्रतिवर्ष 4 जून को इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया है। इस दिवस का उद्देश्य आक्रमण के शिकार हुए बच्चों को यौन हिंसा, अपहरण से बचाना तथा उनकी स्कूलों तक पहुँच सुनिश्चित करना है। यह मूल रूप से 1982 में लेबनान युद्ध के पीड़ितों पर केन्द्रित है। बड़ी संख्या में निर्दोष लेबनानी और फिलिस्तीनी बच्चे इजराइल द्वारा किये गये आक्रामक कृत्यों के शिकार हैं।

- संदर्भ: वर्ग 7, नागरिक, 'सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन भाग-2', अध्याय 1 से जोड़कर बतायें।

2. लखनऊ में विद्रोह— लखनऊ में 4 जून, 1857 ई. को अवध की बेगम हजरत महल ने अपने अल्पव्यस्क पुत्र विरजिस कादिर को नवाब घोषित करते हुए विद्रोह का नेतृत्व किया। जिसमें अवध के किसान, जमींदार व सैनिकों ने उनकी सहायता की। अवध की ब्रिटिश सेना विद्रोहियों का मुकाबला नहीं कर सकी। ब्रिटिश रेजीमेन्ट हेनरी लॉरेंस ने यूरोप निवासियों और 2000 राजभक्त भारतीय सैनिकों संग रेजिडेन्सी में शरण ली। विद्रोहियों ने रेजीडेन्सी को घेरकर आग लगा दी जिसमें हेनरी लॉरेंस की मृत्यु हो गयी।

- संदर्भ: वर्ग 8, इतिहास की पुस्तक 'अतीत से वर्तमान भाग-3', अध्याय 6 से जोड़कर चर्चा करें।

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती—
स्वयंप्रभा समुज्ज्वला
स्वतंत्रता पुकारती—

अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़-प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पन्थ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।

असंख्य कीर्ति-रश्मियाँ,
विकीर्ण दिव्य दाह-सी,
सपूत मातृभूमि के—
रुको न शूर साहसी!

आरक्षण सैन्य सिंधु में, सुवाड़वाग्नी से चलो,
प्रवीण हो जयी बनो, बढ़े चलो, बढ़े चलो!

— जयशंकर प्रसाद



T
u
e
s
d
a
y





दिवस विशेष

4 जून



मधु प्रिया

आक्रामकता का शिकार हुए मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 4जून



आक्रामकता का शिकार हुए मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रत्येक 4 जून को एक संयुक्त राष्ट्र का पालन है। 1997 में महासभा ने बाल अधिकारों पर 51/77 के प्रस्ताव को अपनाया। इसकी स्थापना 19 अगस्त 1982 को हुई थी। मूल रूप से 1982 लेबनान युद्ध के पीड़ितों पर केंद्रित है। बड़ी संख्या में निर्दोष लेबनानी और फिलिस्तीनी बच्चे इस्राइल द्वारा किए गए आक्रामकता कृत्यों के शिकार हैं। इसलिए, 19 अगस्त 1982 को अपने विशेष आपातकालीन सत्र में, फिलिस्तीन की महासभा के सदस्यों को झटका लगा। इसलिए, विधानसभा ने 4 जून को संकल्प ईएस -7 / 8 के तहत मासूम बच्चे पीड़ितों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य दुनिया भर में उन बच्चों की पीड़ा को स्वीकार करने के लिए विस्तारित हुआ जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह संघर्ष स्थितियों में बच्चों की सुरक्षा में सुधार के प्रयासों में एक ऐतिहासिक विकास था। हाल के वर्षों में, कई संघर्ष क्षेत्रों में, बच्चों के खिलाफ उल्लंघन की संख्या में वृद्धि हुई है। संघर्ष से प्रभावित देशों और क्षेत्रों में रहने वाले 250 मिलियन बच्चों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।



Teachers of Bihar

The change makers

जन्मदिन विशेष 04 जून

राकेश कुमार

हिन्दी सिनेमा

की सुप्रसिद्ध कलाकार
पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

अभिनेत्री

नूतन

की जयंती पर **नमन**

4 जून, 1936 - 21 फ़रवरी, 1991

नूतन (Nutan, पूरा नाम: नूतन समर्थ, जन्म- 4 जून, 1936; मृत्यु: 21 फ़रवरी, 1991) हिन्दी सिनेमा की सबसे प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। भारतीय सिनेमा जगत में नूतन को एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर याद किया जाता है जिन्होंने फ़िल्मों में अभिनेत्रियों के महज शोपीस के तौर पर इस्तेमाल किए जाने की परंपरागत विचार धारा को बदलकर उन्हें अलग पहचान दिलाई। सुजाता, बंदिनी, मैं तुलसी तेरे आंगन की, सीमा, सरस्वती चंद्र, और मिलन जैसी कई फ़िल्मों में अपने उत्कृष्ट अभिनय से नूतन ने यह साबित किया कि नायिकाओं में भी अभिनय क्षमता है और अपने अभिनय की बदौलत वे दर्शकों को सिनेमा हॉल तक लाने में सक्षम हैं।



www.teachersofbihar.org



Teachers of Bihar
The Change Makers

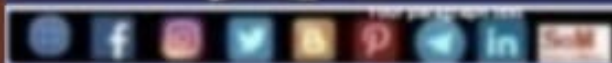
राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 04.06.2024

कलात्मक शिक्षा

कलात्मक शिक्षा बच्चों को सही अनुपात, सद्भावना और सौंदर्य की भावना के साथ काम करने में मदद करता है। आज के स्कूल बौद्धिक कार्यों के अधार पर प्रोफेशनल ज्ञान और कुशलता के विकास पर जोर देते हैं। इसलिए यह बच्चों की शिक्षा में बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है कि उनमें कला और सौंदर्य की आनंद लेने की क्षमता का भी विकास किया जाए।



www.teachersofbihar.org



रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

गौतम अडाणी एकबार फिर से भारत के सबसे अमीर कारोबारी बने गए हैं। 9.26 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ उन्होंने मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है।



Today's Quiz



Quiz Number 407

IPL 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाकर
किसने “ORANGE CAP” अपने नाम
किया है?

A. विराट कोहली

B. के. एल. राहुल

C. हार्दिक पांड्या

D. शुभम गिल





TOB

राकेश कुमार



खेल कॉर्नर



बॉक्सिंग



बॉक्सिंग में ओलिंपिक मेडल



लवलीना
बोरगोहेन
टोक्यो 2020



कांस्य

कांस्य



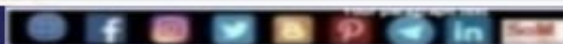
मैरी कॉम
लंदन 2012



विजेंदर
सिंह
बीजिंग 2008



कांस्य



4 जून



आक्रामकता का शिकार हुए मासूम बच्चों का
अंतर्राष्ट्रीय दिवस

इस दिन का महत्व बच्चों के अधिकारों के
संरक्षण प्रकट करने में है।

Madhu priya



04 जून 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

क्रांति की तलवार तो सिर्फ विचारों
की शान से तेज होती है।

भगत सिंह



राकेश कुमार



www.teachersofbihar.org